यह कैसा

बादशाह

yih kaisā bādshāh. gīt kī kitāb

What Kind of a King is This. Song Book

(Urdu—Hindi script)

© 2022 Chashma Media.
The copyright of each song lies exclusively with
the holder as mentioned after each song.

published and printed by
Good Word Communication Services Pvt. Ltd.
New Delhi, INDIA

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्ते-मज़ामीन

यह कैसा बादशाह है	1	जब देखूँ वह सुनहरा क्रूस	36
इबादत करो!	5	यशू नाम	39
दौलत माँगूँ न शोहरत	9	मुबारक	43
ख़ुदा हमारी पनाह है.........	13	बरसा...................	48
ऐ मुहब्बत तू उतर आया......	17	मेरी हर साँस..............	52
आया मसीह!	21	वह क़ब्र से जी उठा	53
आएगा मेरा मसीह!.........	25	तारीफ़ करूँ...............	57
हर घड़ी	28	बढ़ते चलो	60
एक ऐसा फ़व्वारा	31	प्रार्थना सुन ले.............	64

स्तुति करूँ 69

यह कैसा बादशाह है

1 𝄆 यह कैसा बादशाह है, यह कैसा मसीह है, 𝄇

𝄆 जिसकी कोई फ़ौज नहीं है, न ही तलवार है 𝄇

फिर भी जिसके इशारे पै …

फिर भी जिसके इशारे पै तूफ़ान थम गए

फिर भी जिसके इशारे पै शैतान डर गए

𝄆 यशू मसीह ख़ुदा है उसका नाम सबसे आला है 𝄇

2 𝄆 यह कैसा बादशाह है, यह कैसा मसीह है 𝄇

𝄆 जिसका कोई ताज नहीं है, न ही कोई तख़्त है 𝄇

ख़ुदा के बराबर होकर भी …

ख़ुदा के बराबर होकर भी, ख़ुद को ख़ाली कर दिया

ख़ुदा के बराबर होकर भी सूली गवारा किया

𝄆 यशू मसीह ख़ुदा है उसका नाम सबसे आला है 𝄇

> 𝄆 आला है, आला है,
>
> उसका नाम सबसे आला है 𝄇
>
> यशू मसीह ख़ुदा है, उसका नाम सबसे आला है

3 𝄆 यह कैसा बादशाह है, यह कैसा मसीह है, 𝄇

𝄆 जो जंग जीतने नहीं आया, न तख़्त पलटने को आया 𝄇

ख़ुदा की हर मरज़ी को …

ख़ुदा की हर मरज़ी को वह पूरा करने आया है

सूली पै ख़ुद मर के मुझको मौत से बचाया है

क़ब्र से जी उठ के वह मौत को हराया है

𝄆 यशू मसीह ख़ुदा है उसका नाम सबसे आला है 𝄇

> 𝄆 उसके आगे हर घुटना टिके हर ज़बान इक़रार करे 𝄇
>
> 𝄆 यशू मसीह ख़ुदा है उसका नाम सबसे आला है 𝄇

> 𝄆 आला है, आला है,
>
> उसका नाम सबसे आला है 𝄇
>
> यशू मसीह ख़ुदा है, उसका नाम सबसे आला है

© Viju Bhai Hyderabadi

इबादत करो!

𝄆 इबादत करो, इबादत करो
मेरे मसीह की इबादत करो 𝄇

1 𝄆 सारे जहाँ को उसने बनाया
सारा जहाँ उसके लिए ही बना था 𝄇
फ़रिश्ते भी उसकी इबादत हैं करते
सारे जहाँ का वही एक ख़ुदा है

𝄆 इबादत करो, इबादत करो
मेरे मसीह की इबादत करो 𝄇

2 𝄆 आँखों से उसके प्यार हैं झलकें
रहम है दिल में तुम्हारे लिए 𝄇
सारे जहाँ का गुनाह ख़ुद पै लेकर
वह जो बेगुनाह था सूली पै लटका

𝄆 इबादत करो, इबादत करो
मेरे मसीह की इबादत करो 𝄇

3 ‖: मेरे गुनाह को ख़ुद ही पै लेकर
रहम और करम से मुझको नवाज़ा :‖
दुश्मन से मुझको बेटा बनाकर
ख़ुदा के फ़ज़ल से मुझको सँवारा

> ‖: इबादत करो, इबादत करो
> मेरे मसीह की इबादत करो :‖

Worship the Lamb of God
Worship the King of Kings
For He is worthy
of honor and praise
Worship the Lamb of God
Worship the King of Kings
Give Him all glory
honor and praise

𝄆 इबादत करो, इबादत करो
मेरे मसीह की इबादत करो 𝄇

© Viju Bhai Hyderabadi

दौलत माँगूँ न शोहरत

दौलत माँगूँ न शोहरत माँगूँ
न इस जहाँ की कोई चीज़ माँगूँ
𝄆 सिर्फ़ तेरे क़दमों तले
थोड़ी-सी जगह माँगूँ 𝄇
दौलत माँगूँ न शोहरत माँगूँ

1 𝄆 दिल में नफ़रत है ज़बान पै प्यार
यह तुझे मंज़ूर नहीं 𝄇

𝄆 दुश्मन का भी दिल से भला चाहूँ
ऐसी फ़ितरत मुझे दे दे मसीह 𝄇

दौलत माँगूँ न शोहरत माँगूँ
न इस जहाँ की कोई चीज़ माँगूँ

2 𝄆 ख़ुद की भलाई की नहीं
औरों की तबाही मैंने माँगी 𝄇

𝄆 ऐसी दुआओं का जवाब न मिले
तो ही बेहतर होगा मसीह 𝄇

दौलत माँगूँ न शोहरत माँगूँ
न इस जहाँ की कोई चीज़ माँगूँ

3 𝄆 सारे जहाँ को जीतकर
मैंने ख़ुद को खो दिया 𝄇
𝄆 शान और शौकत मेरी छीन लो
बदले में मुझको मसीह दे दो 𝄇

दौलत माँगूँ न शोहरत माँगूँ
न इस जहाँ की कोई चीज़ माँगूँ

4 𝄆 कैसे करूँ तेरा शुक्रिया
मेरे ख़ुदा, मेरे मसीह 𝄇
𝄆 ख़ुदा के क़हर को ख़ुद पै लेकर
सारे गुनाह मेरे माफ़ कर दिए 𝄇

> दौलत माँगूँ न शोहरत माँगूँ
> न इस जहाँ की कोई चीज़ माँगूँ
> 𝄆 सिर्फ़ तेरे क़दमों तले
> थोड़ी-सी जगह माँगूँ 𝄇
> 𝄆 दौलत माँगूँ न शोहरत माँगूँ 𝄇

© Viju Bhai Hyderabadi

ख़ुदा हमारी पनाह है

(start 37:30-41:20 min)

> 𝄆 ख़ुदा हमारी पनाह है और क़ुव्वत है (क़ुव्वत है) 𝄇
> 𝄆 मुसीबत में मुस्तैद वह मददगार है 𝄇
> 𝄆 ख़ुदा हमारी पनाह है और क़ुव्वत है (क़ुव्वत है) 𝄇

1 ख़तरा ख़तरा बह गया

घर की दीवारें ढह गईं

बच्चे हमारे मिट गए

इज़्ज़त हमारी लुट गई

पर हमारी नज़रें तुझी पै हैं

हमारी नज़रें तुझी पै हैं

𝄆 मसीह हम पै रहम कर 𝄇

𝄆 ख़ुदा हमारी पनाह है और क़ुव्वत है (क़ुव्वत है) 𝄇

2 इबादतघर को तोड़ दिया
दुआ करने पै रोक लगी
बच्चे बूढ़ों को पीट दिया
दहशत चारों ओर फैल गई
पर हमारी नज़रें तुझी पै हैं
हमारी नज़रें तुझी पै हैं

𝄆 मसीह हम पै रहम कर 𝄇

| 𝄆 ख़ुदा हमारी पनाह है और क़ुव्वत है (क़ुव्वत है) 𝄇

3 तू ही मेरा आसरा

तुझसे लगी है आस मेरी

हर रोज़ आँसू बहते हैं

हर चीज़ हमारी लुट गई

पर हमारी नज़रें तुझी पै हैं

हमारी नज़रें तुझी पै हैं

𝄆 मसीह हम पर रहम कर 𝄇

| 𝄆 ख़ुदा हमारी पनाह है और क़ुव्वत है (क़ुव्वत है) 𝄇

© Viju Bhai Hyderabadi

ऐ मुहब्बत तू उतर आया

𝄆 ऐ मुहब्बत तू उतर आया
ऐ ख़ुदा के फ़ज़ल तू उतर आया 𝄇
जब मेरा कोई न था, तू मेरे लिए आया
तू मेरे क़रीब आया
𝄆 ऐ मुहब्बत तू उतर आया
ऐ ख़ुदा के फ़ज़ल तू उतर आया 𝄇

1 तेरे आने से मुझे ज़िंदगी ने चूमा
तेरे आने से मेरा दिल है आज झूमा
अंधेरे से मुझको छुड़ाके
रौशनी में दाख़िल किया
मेरे सारे गुनाह को मिटाके
तेरा प्यार ज़ाहिर किया

> 𝄆 ऐ मुहब्बत तू उतर आया
> ऐ ख़ुदा के फ़ज़ल तू उतर आया 𝄇
> जब मेरा कोई न था, तू मेरे लिए आया
> तू मेरे क़रीब आया

𝄆 ऐ मुहब्बत तू उतर आया
ऐ ख़ुदा के फ़ज़ल तू उतर आया 𝄇

नफ़रत से रिहाई मुझे देनेवाला है तू
मेरे दिल की मुरादें सुननेवाला है तू
मैं जो नफ़रत के बस में था
मैं जो नफ़रत के बस में था
आज मसीह की मुहब्बत के क़ब्ज़े में हूँ

𝄆 ऐ मुहब्बत तू उतर आया
ऐ ख़ुदा के फ़ज़ल तू उतर आया 𝄇

जब मेरा कोई न था, तू मेरे लिए आया
तू मेरे क़रीब आया

𝄆 ऐ मुहब्बत तू उतर आया
ऐ ख़ुदा के फ़ज़ल तू उतर आया 𝄇

© Viju Bhai Hyderabadi

आया मसीह!

आया मसीह मुझको बचाने
मेरे गुनाहों से छुड़ाने
आया मसीह मुझको छुड़ाने
मुझसे मुझको ही बचाने
𝄆 होसाना होसाना होसाना
होसाना होसाना होसाना 𝄇
आया मसीह, आया मसीह

1 𝄆 मेरा ख़ुदा बेदाग़ है

उसका इनसाफ़ भी पाक है 𝄇

हम इनसान गुनाहगार हैं

उसकी सज़ा के हक़दार हैं

𝄆 फिर क्यों फिर क्यों वह मुझसे प्यार करे

फिर क्यों फिर क्यों मेरे गुनाह के लिए वह मरे 𝄇

> आया मसीह, आया मसीह, आया मसीह मुझको बचाने
>
> मेरे गुनाहों से छुड़ाने
>
> आया मसीह मुझको छुड़ाने
>
> मुझसे मुझको ही बचाने

2 𝄆 क्यों वह मुझसे प्यार करे

यह नहीं मैं जानता 𝄇

जानूँ तो बस इतना जानूँ

मेरे गुनाह के लिए वह मरे

जानूँ तो बस इतना जानूँ

जियूँ तो बस उसके लिए

हाँ वह, हाँ वह, मेरे गुनाह के लिए ही मरे

हाँ वह, हाँ वह, फिर से ज़िंदा हो गए

हाँ मसीह, हाँ मसीह, मेरे गुनाह के लिए ही मरे

हाँ मसीह, हाँ मसीह, फिर से ज़िंदा हो गए

> आया मसीह, आया मसीह, आया मसीह मुझको बचाने
> मेरे गुनाहों से छुड़ाने
> आया मसीह मुझको छुड़ाने
> मुझसे मुझको ही बचाने
> 𝄆 होसाना होसाना होसाना
> होसाना होसाना होसाना 𝄇 ×4

© Viju Bhai Hyderabadi

आएगा मेरा मसीह!

𝄆 आएगा मेरा मसीह, बादलों पै हो के सवार
लेने अपनी दुलहन को, जिसका उसे इंतज़ार 𝄇

1 𝄆 वह अव्वल है और आख़िर भी
ज़िंदा ख़ुदा है मेरा
नाम है उसका कलामे-ख़ुदा
करना तुम भी इंतज़ार 𝄇

> ‖: आएगा मेरा मसीह, बादलों पै हो के सवार
> लेने अपनी दुलहन को, जिसका उसे इंतज़ार :‖

2 ‖: गुनाहों से कर लो तौबा
ईमान उस पै धरो
अलफ़ा भी वह ओमेगा भी वह
यहूदाह का बबर-शेर शेर :‖

> ‖: आएगा मेरा मसीह, बादलों पै हो के सवार
> लेने अपनी दुलहन को, जिसका उसे इंतज़ार :‖

3 𝄆 न आँसू रहेंगे न कोई ग़म

इनसाफ़ सबका करे

हुज़ूरी में उसकी रहेंगे हम

जहाँ ख़ुशियाँ ही ख़ुशियाँ रहें 𝄇

> 𝄆 आएगा मेरा मसीह, बादलों पै हो के सवार
> लेने अपनी दुलहन को, जिसका उसे इंतज़ार 𝄇

© Viju Bhai Hyderabadi

हर घड़ी

1 हर घड़ी मेरी ज़बान पै हो तेरा ही नाम
हर घड़ी मेरे ज़हन में हो तेरा कलाम
‖: तू बढ़े मैं घटूँ
तेरे पीछे मैं चलूँ :‖
तेरे रास्तों में चलकर
तेरे बेटे जैसा बनूँ

𝄆 सुन ले मेरे दिल की दुआ मेरे ख़ुदा
कर दे मेरी सारी ख़ता अब माफ़ तू 𝄇
अपनी हुज़ूरी से मुझको बेदख़ल न कर
और अपने पाक रूह को
𝄆 मुझसे अलग न कर 𝄇 $\times 4$

2 हर घड़ी मेरी नज़रों में हो तेरा जलाल
हर घड़ी मेरे ख़यालों में हो तेरी रहमत
𝄆 तू बढ़े मैं घटूँ
तेरे क़दमों में रहूँ 𝄇

तेरी मरज़ी जैसे जन्नत में

वैसे ही मुझमें भी हो

> 𝄆 सुन ले मेरे दिल की दुआ मेरे ख़ुदा
>
> कर दे मेरी सारी ख़ता अब माफ़ तू 𝄇
>
> अपनी हुज़ूरी से मुझको बेदख़ल न कर
>
> और अपने पाक रूह को
>
> 𝄆 मुझसे अलग न कर 𝄇 $\times 4$

© Viju Bhai Hyderabadi

एक ऐसा फ़व्वारा

1 There is a fountain filled with blood
Drawn from Emmanuel’s veins
And sinners plunged beneath that flood
Lose all their guilty stains
Lose all their guilty stains
Lose all their guilty stains
And sinners plunged beneath that flood
Lose all their guilty stains

2 एक ऐसा फ़व्वारा लहू
का मेरे ख़ुदा का बहे
जिसमें जो रँग ले
उसके सारे पाप धुल जाएँ
सारे पाप धुल जाएँ
सारे पाप धुल जाएँ
जिसमें जो रँग ले
उसके सारे पाप धुल जाएँ

3 जो चोर मसीह के साथ मरा
उस दिन ख़ुशी से झूमा
मैं भी उस रंग में रँग लूँ आज
मुझको भी कर दे माफ़
मुझको भी कर दे माफ़
मुझको भी कर दे माफ़
मैं भी उस रंग में रँग लूँ आज
मुझको भी कर दे माफ़

4 जब से मैंने यक़ीन किया
तेरे पाक लहू पै मसीह
तेरा करूँ मैं शुक्रिया
जब तक साँस रहे बाक़ी
जब तक साँस रहे बाक़ी
जब तक साँस रहे बाक़ी
तेरा करूँ मैं शुक्रिया

जब तक साँस रहे बाक़ी

जब तक साँस रहे बाक़ी

जब तक साँस रहे बाक़ी

तेरा करूँ मैं शुक्रिया

जब तक साँस रहे बाक़ी

© Viju Bhai Hyderabadi

जब देखूँ वह सुनहरा क्रूस

1 जब देखूँ मैं वह सुनहरा क्रूस
जिस पै शहनशाहे-नूर मरा
मेरी सारी शोहरत बस ख़ाक है
नफ़रत करूँ अपने ग़ुरूर पै

2 जाने भी दो झूठी तारीफ़ें
रहमो-करम से नजात मिला
सारे जहाँ की ख़ाहिशें
क़ुरबान करूँ तेरे क़दमों तले

3 देखो उसके ज़ख़मी बदन
ग़म और मुहब्बत लहू बन के बहा
क्या ऐसा संगम कभी तुमने देखा?
जहाँ काँटों का ताज बने सर की शान

4 सारे जहाँ की रौनक़ें

अदना-सा लगे तेरी शान में

बदले में तेरे प्यार के

अगर मैं दूँ अपनी जान भी

> 𝄆 तेरे क्रूस के साय में रहने दे 𝄇
>
> 𝄆 तेरे प्यार भरे क़दमों तले 𝄇
>
> आज हमें तू रहने दे

© Viju Bhai Hyderabadi

यशू नाम

1 सूरज की हर किरण में लिखा है तेरा नाम
सागर की हर लहर से गूँजे तेरा ही नाम
अंबर से भी ऊँचा तेरा नाम, तेरा नाम
मीठे शहद से भी मीठा है तेरा नाम

तेरा नाम, तेरा नाम, तेरा नाम
सबसे ऊँचा है यशू नाम, यशू नाम
तेरा नाम, ऊँचा नाम, यशू नाम
सबसे प्यारा है यशू नाम

2 हर कली की महक में छिपा है तेरा प्यार
हर पंछी के सुर से गूँजे तेरा ही प्यार
समुंदर से भी गहरा तेरा प्यार
मीठे अमृत से भी मीठा है तेरा प्यार

तेरा प्यार, तेरा प्यार, तेरा प्यार
सबसे ऊँचा है तेरा प्यार, तेरा प्यार
तेरा नाम, ऊँचा नाम, यशू नाम
सबसे प्यारा है यशू नाम

3 चमकते तारों में वह चमक कहाँ
चमकते हीरों में वह बात कहाँ
‖: जो ख़ुदा के नूर की एक झलक में है
जो ख़ुदावंद यशू मसीह के लहू में है :‖

Your name is above all names

Your love is above all else

𝄆 There is none beside you

There is none like you 𝄇

तेरा नाम, तेरा नाम, तेरा नाम

सबसे ऊँचा है यशू नाम (यशू नाम)

तेरा नाम, ऊँचा नाम, यशू नाम

सबसे प्यारा है यशू नाम

© Viju Bhai Hyderabadi

मुबारक

1 𝄆 ऐ ख़ुदा से डरनेवालो
अब गुनाह से तौबा कर लो
वह तुम्हारे लिए ही सूली पर चढ़ा
वह मरकर फिर से जी उठा है
यक़ीन न आए तो जा के पूछो
वह क़ब्र आज तक ख़ाली है क्यों पड़ा 𝄇

𝄆 आसमान ख़ुश है
समुंदर भी मस्त है
हवा बेख़ौफ़ है
ज़मीन बेताब है 𝄇
क्योंकि मसीहा आनेवाला है

मेरे साथ नाचो, नया गीत गाओ
क्योंकि उसका नाम मुबारक है
वह वादे का पक्का है, तुझे लेने आएगा
क्योंकि उसका नाम मुबारक है,
मुबारक है, मुबारक है

[rap]

2 देखो वह बादलों के साथ आनेवाला है
हर एक आँख उसे देखनेवाली है
जो भी उसे मारा था, वह भी उसे देखेंगे
उसके सबब से सारे छातीं पीटेंगे
(बेशक, बेशक, आमीन, आमीन)
ख़ुदावंद ख़ुदा वह जो है, वह जो था, वह जो आनेवाला है
यानी सर्वशकतिमान ख़ुदा फ़रमाता है
मैं ही अलफ़ा और मैं ही ओमेगा हूँ

𝄆 देखो वह बादलों के साथ आनेवाला है 𝄇

> 𝄆 आसमान ख़ुश है
>
> समुंदर भी मस्त है
>
> हवा बेख़ौफ़ है
>
> ज़मीन बेताब है 𝄇
>
> क्योंकि मसीहा आनेवाला है

> मेरे साथ नाचो, नया गीत गाओ
>
> क्योंकि उसका नाम मुबारक है
>
> वह वादे का पक्का है, तुझे लेने आएगा
>
> क्योंकि उसका नाम मुबारक है,
>
> मुबारक है, मुबारक है

© Viju Bhai Hyderabadi

बरसा

1 दिल में फ़रियाद ले के आया हूँ
जैसा भी हूँ वैसे आया हूँ
गुनाह के बोझ तले दबा हूँ
मैं गिर रहा हूँ, बिखर रहा हूँ
𝄆 मुझे थाम ले, अब सँभाल ले 𝄇

बरसा, बरसा, बरसा तेरे करम को
बरसा, बरसा, बरसा तेरे रहम को
बरसा, बरसा, बरसा रूह के शोलों को
𝄆 बरसा, बरसा, अब न तरसा 𝄇

2 अब तेरे लिए जीने की ख़ाहिश है
तेरा बन के रहूँ यह मेरी आरज़ू है
यह आग जो तूने लगाया है
इस आग को बुझने न दे
मुझे राख बनने न दे

बरसा, बरसा, बरसा तेरे करम को

बरसा, बरसा, बरसा तेरे रहम को

बरसा, बरसा, बरसा रूह के शोलों को

𝄆 बरसा, बरसा, अब न तरसा 𝄇

𝄆 तू जैसे क़ब्र से जी उठा

वैसे मैं भी जी उठूँ 𝄇 $\times 4$

𝄆 तेरे हवाले अब मेरी जान है 𝄇

बरसा, बरसा, बरसा तेरे करम को
बरसा, बरसा, बरसा तेरे रहम को
बरसा, बरसा, बरसा रूह के शोलों को
𝄆 बरसा, बरसा, अब न तरसा 𝄇

© Viju Bhai Hyderabadi

मेरी हर साँस

(start 00:01-04:32 min)

𝄆 ऐ ख़ुदा, मैं तेरा गुनाहगार हूँ
मैं तेरे क़हर का हक़दार हूँ 𝄇
𝄆 कर दे मुझे अब माफ़ ख़ुदा
मैंने माना मसीह को अपना ख़ुदा 𝄇
𝄆 मेरी हर साँस में अब तू ही तू बसे 𝄇 $\times 4$

© Viju Bhai Hyderabadi

वह क़ब्र से जी उठा

1 क़ब्र में अब बंद है
यशू मेरा मसीह
दिन का है इंतज़ार
मेरे मसीहा को

वह क़ब्र से फिर जी उठा
अपने दुश्मन को करके हरा
वह हराके अंधेरे को ज़िंदा हुआ
अपने लोगों के साथ सदहा राज करे
जी उठा, जी उठा हललूयाह मसीह जी उठा

2 बेकार में वह पहरा दिए
यशू की क़ब्र को
बेकार में क़ब्र को बंद किया
मेरे मसीहा की

वह क़ब्र से फिर जी उठा
अपने दुश्मन को करके हरा
वह हराके अंधेरे को ज़िंदा हुआ
अपने लोगों के साथ सदहा राज करे
जी उठा, जी उठा हललूयाह मसीह जी उठा

3 मौत कुछ न बिगाड़ सका
मेरे यशू मसीहा का
ज़ंजीरों को तोड़ दिया
मेरा मसीह

वह क़ब्र से फिर जी उठा
अपने दुश्मन को करके हरा
वह हराके अंधेरे को ज़िंदा हुआ
अपने लोगों के साथ सदहा राज करे
जी उठा, जी उठा हललूयाह मसीह जी उठा

© Viju Bhai Hyderabadi

तारीफ़ करूँ

(start 04:35-10:06min)

> 𝄆 तारीफ़ करूँ मेरे ख़ुदावंद की
> नग़मे गाऊँ मेरे मसीहा के 𝄇
> हललूयाह, हललूयाह, गाओ हललूयाह, हललूयाह

1 𝄆 मेरे गुनाह के क़र्ज़ को
तूने सलीब पै उसे चुका दिया
मेरे उस मौत को
उसे अपनाके तू ख़ुद क़ुरबान हुआ 𝄇

हललूयाह हललूयाह, गाओ हललूयाह, हललूयाह

> 𝄆 तारीफ़ करूँ मेरे ख़ुदावंद की
>
> नग़मे गाऊँ मेरे मसीहा के 𝄇
>
> हललूयाह, हललूयाह, गाओ हललूयाह, हललूयाह

2 𝄆 माफ़ कर मुझ गुनाहगार को

अपना बेटा तूने बना लिया

तेरी बादशाही में

हमेशा की ज़िंदगी से तूने बख़्श दिया 𝄇

हललूयाह हललूयाह, गाओ हललूयाह, हललूयाह

𝄆 तारीफ़ करूँ मेरे ख़ुदावंद की
नग़मे गाऊँ मेरे मसीहा के 𝄇
हललूयाह, हललूयाह, गाओ हललूयाह, हललूयाह

© Viju Bhai Hyderabadi

बढ़ते चलो

(start 15:12-19:10 min)

1 गुनहगार से न डरो
बुरा करनेवालों से न जलो
पत्तों की तरह वह मुरझा जाएँगे
घास की तरह वह बिगड़ जाएँगे
अपनी आँखों को ख़ुदा पै लगाए रखो
वह तुम्हारे क़रीब है अगर तुम उसे पहचान सको, पहचान सको

> बढ़ते चलो, उसके प्यार को बढ़ते चलो
>
> बढ़ते चलो, सलीब की दासतान को बढ़ते चलो
>
> बढ़ते चलो, ख़ाली क़ब्र के वाक़िया को बढ़ते चलो
>
> बढ़ते चलो, ख़ुशख़बरी को बढ़ते चलो

2 ख़ुदा पै भरोसा रखो

और नेकी करते चलो

सच्चाई और इनसाफ़ को

अपना दोस्त बनाते चलो

ख़ुदा की मुहब्बत को

तुम औरों से बढ़ते चलो

बढ़ते चलो, उसके प्यार को बढ़ते चलो
बढ़ते चलो, सलीब की दासतान को बढ़ते चलो
बढ़ते चलो, ख़ाली क़ब्र के वाक़िया को बढ़ते चलो
बढ़ते चलो, ख़ुशख़बरी को बढ़ते चलो

3 हर काम तुम ख़ुदा के लिए ही करो
थाम के उसकी ताक़त पर ग़ौर करो
सारी कायनात को बनानेवाला
वह तुम्हें भी बनाया है
तुम ख़ुद के लिए नहीं
बल्कि उसके लिए जिया करो

बढ़ते चलो, उसके प्यार को बढ़ते चलो
बढ़ते चलो, सलीब की दासतान को बढ़ते चलो
बढ़ते चलो, ख़ाली क़ब्र के वाक़िया को बढ़ते चलो
बढ़ते चलो, ख़ुशख़बरी को बढ़ते चलो

© Viju Bhai Hyderabadi

प्रार्थना सुन ले

यशू मसीह मेरी प्रार्थना सुन ले
मुझको अपना बना ले
तेरे चरण में मैं पड़ा हूँ
मुझको गले से लगा ले

𝄆 तेरा हूँ, तेरा ही रहूँगा
तुझ पर अपनी जान भी दूँगा 𝄇
तुझ पर अपनी जान भी दूँगा

यशू मसीह मेरी प्रार्थना सुन ले
मुझको अपना बना ले
तेरे चरण में मैं पड़ा हूँ
मुझको गले से लगा ले

1 𝄆 पाप के दलदल में मैं फँसा था
शाप की कीचड़ में लिपटा था 𝄇
𝄆 पर तुझको प्यार मुझ पर आया
शुद्ध किया तेरे रक्त की धारा 𝄇
शुद्ध किया तेरे रक्त की धारा

यशू मसीह मेरी प्रार्थना सुन ले
मुझको अपना बना ले
तेरे चरण में मैं पड़ा हूँ
मुझको गले से लगा ले

2 ‖: अंधियारी राहों में चला था
ठोकर खाकर मैं गिर जाता :‖
‖: पर तुझको प्यार मुझ पर आया
राह दिखाई तेरे नाम की ज्योति :‖
राह दिखाई तेरे नाम की ज्योति

यशू मसीह मेरी प्रार्थना सुन ले
मुझको अपना बना ले
तेरे चरण में मैं पड़ा हूँ
मुझको गले से लगा ले

𝄆 तेरा हूँ, तेरा ही रहूँगा
तुझ पर अपनी जान भी दूँगा 𝄇
तुझ पर अपनी जान भी दूँगा

यशू मसीह मेरी प्रार्थना सुन ले
मुझको अपना बना ले
तेरे चरण में मैं पड़ा हूँ
𝄆 मुझको गले से लगा ले 𝄇 ×3

© Viju Bhai Hyderabadi

स्तुति करूँ

कोई नहीं, कोई नहीं, कोई नहीं
कोई नहीं कोई नहीं है तेरे जैसा
आगे भी कोई नहीं होगा
बीती बातें सब छोड़ूँ
जैसे भी बस मैं आऊँ

1 कोई नहीं है तेरे जैसा
आगे भी कोई नहीं होगा
बीती बातें सब छोड़ूँ
जैसे भी बस मैं आऊँ

> स्तुति करूँ, स्तुति करूँ, स्तुति करूँ तेरी
> स्तुति करूँ, स्तुति करूँ, स्तुति करूँ खुल के

2 अंधेरा चारों ओर था
यशू दिया उजियाला
राहों में उसके चलता रहूँ
नया जीवन है यह मेरा

स्तुति करूँ, स्तुति करूँ, स्तुति करूँ तेरी
स्तुति करूँ, स्तुति करूँ, स्तुति करूँ खुल के

𝄆 सर पै काँटों का किरीट
हाथों में उसके कील
फिर भी दिल में प्यार था
ताकि मैं जी सकूँ 𝄇

𝄆 स्तुति करूँ, स्तुति करूँ, स्तुति करूँ तेरी
स्तुति करूँ, स्तुति करूँ, स्तुति करूँ खुल के 𝄇

© Viju Bhai Hyderabadi